ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-२२
दिनांक- शुक्रवार, २० मार्च, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २७.८ एवं १४.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९३ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ५० प्रतिशत, हवा की औसत गति १०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १७.९ एवं दोपहर में २८.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२१-२५ मार्च, २०२०)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २१-२५ मार्च तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में गरजवाले बादल बन सकते हैं। वैशाली, सारण, गोपालगंज, सीवान, सीतामढ़ी एवं शिवहर जिलों में अगले ४८ घंटों में १-२ स्थानों पर हल्की वर्षा या बुंदा-बूंदी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३२ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान १८-२० डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ८-१२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले एक दिन पछिया हवा तथा उसके बाद पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ५० से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में २० से ४० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अधिकांश जिलों में शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए सरसों की कटनी तथा सुखाने के काम को उच्च प्राथमिकता देकर सम्पन्न कर लें। हालाकि जिन जिलों में वर्षा होने की संभावना है उन जिलों में सरसों की कटनी एवं दौनी के कार्यो में सर्तकता बरतें।
- ओल की फसल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी ७५x७५ से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर ८० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा ३ किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, २० ग्राम अमोनियम सल्फेट या १० ग्राम युरिया, ३७.५ ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं १६ ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई करें। बुआई के पूर्व २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फूर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-१९, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी ३० ग१० से०मी० रखें।
- इन दिनों आम के बगीचों में मंजर पूरी तरह आ चुका है। किसान भाई आम में मंजर वाली अवस्था से फल के मटर के दाने के बराबर होने की अवस्था के मध्य किसी प्रकार का कोई भी कृषि रसायण का प्रयोग नही करे। विकृत दिखने वाले मंजर को तोडकर बाग से बाहर ले जाकर जला दें अथवा जमीन में गाड़ दें।
- गरमा मौसम की सब्जियों जैसे भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा व नेनुआ आदि की बुआई अविलंब संपन्न कर लें। विगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई एवं कीट की निगरानी करें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त तना एवं फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड ४८ ई०सी०/ १ मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी की दर से या क्वीनालफॉस १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३१.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.२ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.५ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकार